उसके शीतल तुहिन कणों को
मानसरोवर के उन स्वर्णिम
कमलों पर गिरते देखा है,
बादल को घिरते देखा है।
तुंग हिमालय के कंधों पर
छोटी-बड़ी कई झीलें हैं,
उनके श्यामल-नील सलिल में
पावस की उमस से आकुल
तिक्त-मधुर बिस तंतु खोजते
हंसों को तिरते देखा है।
बादल को घिरते देखा है।

6. जयशंकर प्रसाद के काव्य की विशेषताओं को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
7. नागार्जुन के काव्य की अनुभूति एवं अभिव्यंजना पक्ष का विवेचन कीजिए।
8. "महादेवी वर्मा के काव्य में वेदना की सघन अभिव्यक्ति हुई है।" इस कथन का उदाहरण सहित विवेचन कीजिए।
9. रामधारीसिंह दिनकर के काव्य में राष्ट्रीयता पर प्रकाश डालिए।

MAHD–02

December – Examination 2021

M.A. (Previous) Examination

HINDI

(Adhunik Kavya)

आधुनिक काव्य

Paper : MAHD-02

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **4×4=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 4 अंकों का है।

1. (i) 'साकेत' में वर्णित मर्मस्थली स्थलों का संक्षिप्त उल्लेख कीजिए।
   (ii) जयशंकर प्रसाद कृत किन्हीं **दो** काव्य कृतियों के नाम बताइए।

(iii) निराला कृत कविता 'मैं अकेला' का भावबोध स्पष्ट कीजिए।

(iv) 'शृंखला की कड़ियाँ' निबन्ध संग्रह के रचनाकार कौन हैं ?

(v) रघुवीर सहाय के किन्हीं **दो** काव्य संकलन का नामोल्लेख कीजिए।

(vi) 'कालीदास सच सच बतलाना' कविता में वर्णित यक्ष की वेदना कालीदास की वेदना क्यों लगती है ?

(vii) 'चाँदनी फैली गगन में, चाह मन में' नामक गीत किस कवि द्वारा रचित है ?

(viii) नरेन्द्र शर्मा कृत कौनसी कविता है जो आत्मकथा शैली में लिखी गई है ?

खण्ड—ब **4×16=64**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

2. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

युग-युग चलती रहे कठोर कहानी-
'रघुकुल में भी थी एक अभागिन रानी'
निज जन्म-जन्म में सुने जीव यह मेरा-
धिक्कार! उसे था महास्वार्थ ने घेरा।
सो बार धन्य वह एक लाल की माई
जिस जननी ने है जना भरत-सा भाई।

3. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

स्नेह निर्झर बह गया है !
रेत ज्यों तन रह गया है।
आम की यह डाल जो सूखी दिखी
कह रही है—अब यहाँ पिक या शिखी
नहीं आते, पंक्ति में वह हूँ लिखी
नहीं जिसका अर्थ
जीवन ढह गया है।

4. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

महाव्रती, हे गगन तपस्वी
ये लघु शिशु है, चंचल मन है
ज्ञान-शून्य, निर्बोध, सरलचित्
शिशु ससीम है कोमल-तन है,
देखे फूल कली किसलय-दल
क्रीड़ातुर हो उठे चपल-जल।
ये क्या जानें जग मिथ्या है।

5. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

अमल धवल गिरि के शिखरों पर
बादल को घिरते देखा है।
छोटे-छोटे मोती जैसे